संस्थाओं का कामकाज

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» संस्थाओं का उद्देश्य और कामकाज का अर्थ

प्रश्न 1 (आसान). आपके स्कूल में कौन सी 'संस्था' है जो पढ़ाई के नियम बनाती है?
उत्तर – प्रिंसिपल और क्लास टीचर मिलकर पढ़ाई के नियम बनाती हैं।

प्रश्न 2 (आसान). 'संस्थाओं का मुख्य उद्देश्य' क्या है?
उत्तर – शासन को व्यवस्थित करना और स्थायी नियम बनाना।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर देश में 'कोई संस्था' ना हो तो क्या होगा? दो नुकसान बताओ।
उत्तर – अगर कोई संस्था न हो तो देश में अव्यवस्था फैल जाएगी, कानून नहीं बनेंगे, और रोजमर्रा के फैसले लेना मुश्किल हो जाएगा।

प्रश्न 4 (कठिन). 'पुलिस विभाग' को आप एक संस्था क्यों कहेंगे? समझाओ।
उत्तर – पुलिस विभाग एक संस्था है क्योंकि इसका उद्देश्य कानून व्यवस्था बनाए रखना है, इसमें पुलिसकर्मियों की भूमिकाएं तय हैं, उनके काम करने के नियम हैं, और यह स्थायी रूप से काम करती है।

» निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली

प्रश्न 5 (आसान). निर्णय-निर्माण में 'पहचान' का मतलब क्या होता है?
उत्तर – किस समस्या/मामले पर निर्णय चाहिए, उसे स्पष्ट करना।

प्रश्न 6 (आसान). 'निगरानी और समीक्षा' क्यों जरूरी है?
उत्तर – कार्यान्वयन ठीक से हुआ या नहीं, इसकी जाँच करके जरूरत पड़े तो सुधार करने के लिए।

प्रश्न 7 (मध्यम). स्कूल में इवेंट के लिए बजट तय करना है। क्रम बताओ: जानकारी इकट्ठा करने के बाद आमतौर पर क्या आता है?
उत्तर – विकल्प बनाना, फिर मूल्यांकन/तुलना।

प्रश्न 8 (कठिन). अगर किसी निर्णय में नियमों और प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया, तो क्या समस्या हो सकती है? कारण भी लिखो।
उत्तर – निर्णय मनमाना/अवैध लग सकता है, जवाबदेही कम हो जाती है, और बाद में विवाद/गलत खर्च/नुकसान का जोखिम बढ़ता है क्योंकि चरणों में वैधता, रिकॉर्ड और जिम्मेदारी सुनिश्चित नहीं होती।

» कानून/नियम और 'वैधता' का महत्व

प्रश्न 9 (आसान). अगर एक स्कूल का प्रिंसिपल बिना किसी नियम के अचानक बच्चों की फीस बढ़ा दे, तो क्या यह फैसला 'valid' होगा?
उत्तर – नहीं, क्योंकि यह बिना किसी तय नियम या प्रक्रिया के लिया गया है।

प्रश्न 10 (आसान). 'वैधता' का क्या मतलब है?
उत्तर – कोई भी फैसला या कार्रवाई जो तय 'कानूनों और प्रक्रियाओं' के हिसाब से हो, वो 'वैध' होती है।

प्रश्न 11 (मध्यम). कानून और नियमों की कमी से किसी सरकारी फैसले की 'वैधता' पर क्या असर पड़ता है?
उत्तर – कानून और नियमों की कमी से सरकारी फैसले की 'वैधता' संदिग्ध हो जाती है। ऐसे फैसले 'arbitrary' (मनमाने) लग सकते हैं और उन पर 'भरोसा' करना मुश्किल हो जाता है।

प्रश्न 12 (कठिन). कानून के शासन (Rule of Law) से नागरिक अधिकारों का संरक्षण कैसे सुनिश्चित होता है?
उत्तर – कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि सरकार और उसके अधिकारी भी कानून के दायरे में ही काम करें, अपनी मनमर्जी न चलाएं। इससे नागरिकों को यह सुरक्षा मिलती है कि उनके अधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा, क्योंकि हर किसी पर 'same laws' लागू होते हैं।

» जवाबदेही और नियंत्रण (जांच-पड़ताल)

प्रश्न 13 (आसान). अगर एक मंत्री कोई गलत काम करता है, तो उसे कौन रोक सकता है?
उत्तर – नागरिक, मीडिया, कोर्ट और विपक्ष।

प्रश्न 14 (आसान). 'JCB' mnemonic में 'J' का मतलब क्या है?
उत्तर – जनता या नागरिक।

प्रश्न 15 (मध्यम). चुनाव में वोट देना 'जवाबदेही और नियंत्रण' में कैसे मदद करता है?
उत्तर – वोट देकर नागरिक यह तय करते हैं कि कौन सी सरकार आएगी। अगर सरकार अच्छा काम नहीं करती, तो अगले चुनाव में उसे हटाया जा सकता है, जिससे सरकार पर 'control' रहता है।

प्रश्न 16 (कठिन). संस्थाओं के कामकाज में 'चेक्स एंड बैलेंस' क्यों ज़रूरी है?
उत्तर – 'Checks and balances' इसलिए ज़रूरी है ताकि कोई एक संस्था या व्यक्ति अपनी 'power' का गलत इस्तेमाल न कर सके। इससे 'democracy' मजबूत होती है और 'justice' सुनिश्चित होता है।

» लोकतंत्र में संस्थाओं की परस्पर भूमिका

प्रश्न 17 (आसान). लोकतंत्र में एक संस्था का काम क्या केवल खुद उसी तक सीमित रहता है?
उत्तर – नहीं, उसका काम दूसरे संस्थागत तंत्रों से जुड़कर संतुलित होता है।

प्रश्न 18 (आसान). जवाबदेही और नियंत्रण मिलकर किस तरह फैसलों को मजबूत करते हैं?
उत्तर – गलत होने की संभावना घटती है और गलती होने पर जिम्मेदारी तय होती है।

प्रश्न 19 (मध्यम). अगर सरकार नीति लागू करे और लोगों का आरोप हो कि अधिकार प्रभावित हुए हैं, तो परस्पर भूमिका के तहत कौन-सा तंत्र सबसे जरूरी माना जाएगा?
उत्तर – नियंत्रण/जांच और न्याय–अदालत द्वारा कानून/अधिकार के अनुरूपता की जाँच–सबसे जरूरी माना जाएगा।

प्रश्न 20 (कठिन). एक उदाहरण देकर समझाइए कि समन्वय और संतुलन लोकतंत्र में कैसे बनते हैं।
उत्तर – जैसे सरकार नीति लागू करती है, लेकिन नियंत्रण/जांच यह देखती है कि नियमों का पालन हो रहा है; अदालत अधिकारों की रक्षा करती है; और चुनाव/जनता की निगरानी सरकार को जवाबदेह बनाए रखती है–इसी तालमेल से समन्वय (कामों का जुड़ाव) और संतुलन (गलतियों पर रोक) बनते हैं।

» नागरिकों की भागीदारी/प्रभाव और अधिकार-कर्तव्य

प्रश्न 21 (आसान). अधिकार के साथ कर्तव्य क्यों जरूरी हैं?
उत्तर – ताकि नागरिक अपनी आवाज सही तरीके से उठाएँ और लोकतंत्र में जवाबदेही/न्याय बना रहे।

प्रश्न 22 (आसान). भागीदारी से संस्थाओं पर क्या असर पड़ता है?
उत्तर – संस्थाओं की जवाबदेही बढ़ती है और कामकाज में सुधार की संभावना होती है।

प्रश्न 23 (मध्यम). यदि कोई नागरिक सिर्फ अधिकार माँगे और कर्तव्य न निभाए, तो लोकतंत्र पर क्या असर होगा?

उत्तर – अशांति, गलत दबाव और नियमों की अनदेखी बढ़ सकती है, जिससे अधिकारों की गुणवत्ता और संस्थाओं पर भरोसा कमजोर हो सकता है।

प्रश्न 24 (कठिन). स्कूल में संसाधन कम होने पर 'नागरिक भागीदारी' का सही तरीका क्या होगा? (कम से कम 2 कदम लिखो)

उत्तर – 1) स्कूल/प्रबंधन को लिखित मांग/शिकायत नियम से देना। 2) अभिभावक-सभा/जनसुनवाई में तथ्य के साथ सवाल उठाना और समय-सीमा पूछना। 3) साथ में कर्तव्य निभाना–जैसे फीस/उपस्थिति/नियमों का पालन, और झूठी बातें फैलाने से बचना।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. भारतीय लोकतंत्र में 'संसद' को एक संस्था क्यों माना जाता है?

› पहला, 'संसद' का उद्देश्य देश के लिए कानून बनाना है। यह 'कानून बनाने का उद्देश्य' है।

› दूसरा, इसमें लोकसभा और राज्यसभा जैसे 'दो सदन' हैं, जिनकी अपनी-अपनी 'भूमिकाएं' और 'जिम्मेदारियां' तय हैं।

› तीसरा, 'संसद' के कामकाज के लिए 'निश्चित नियम' और 'प्रक्रियाएं' हैं, जैसे बहस करना, बिल पास करना।

› चौथा, ये नियम स्थायी होते हैं और सरकार बदलने पर भी 'संसद' का काम करने का तरीका नहीं बदलता।

› इन सब वजहों से, 'संसद' सरकार के काम को 'व्यवस्थित' करती है और महत्वपूर्ण फैसले लेती है, इसलिए यह एक संस्था है।

उत्तर – संसद एक संस्था है क्योंकि इसका उद्देश्य कानून बनाना है, इसमें सदस्यों की भूमिकाएं तय हैं, निश्चित नियम हैं और यह स्थायी रूप से काम करती है।

उदाहरण 2. नगरपालिका को जल-सप्लाई की समस्या है। तय करना है कि अगले 6 महीने में पानी की सप्लाई कैसे सुधारी जाए। निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया के चरणों के हिसाब से एक सही कार्यप्रणाली लिखो।

› समस्या की पहचान: कौन-कौन से वार्ड में पानी की कमी/समय-बार बदलाव हो रहा है

› जानकारी इकट्ठा करना: पाइपलाइन की स्थिति, टैंकर की संख्या/खर्च, पानी की उपलब्धता, शिकायतों का रिकॉर्ड

› विकल्प तैयार करना: (1) लीकेज मरम्मत पहले, (2) टैंकर व्यवस्था अस्थायी रूप से, (3) समय-सारणी बदलना, (4) दोनों का मिश्रण

› मूल्यांकन करना: लागत, लाभ-प्रभावित क्षेत्र, समय-सीमा, नियमों/प्रक्रिया की संगतता

› निर्णय लेना: सबसे व्यवहार्य विकल्प को प्रस्ताव/मंजूरी के जरिए तय करना

› कार्यान्वयन: जिम्मेदार विभाग/एजेंसी को काम देना, बजट/खरीद प्रक्रिया, समय-तालिका लागू करना

› निगरानी/समीक्षा: 2-2 हफ्ते में प्रगति जांच, शिकायतों में बदलाव देखना, जरूरत पर सुधार

उत्तर – नगरपालिका को निर्णय-निर्माण प्रक्रिया क्रम से करनी होगी: पहचान जानकारी विकल्प मूल्यांकन निर्णय कार्यान्वयन निगरानी/समीक्षा; ताकि निर्णय नियमों के साथ वैध, जवाबदेह और प्रभावी हो।

उदाहरण 3. मान लीजिए सरकार ने एक नया नियम बनाया कि सभी सरकारी कर्मचारियों को अब 'Saturday' को भी काम करना होगा। लोगों ने इसका विरोध किया। क्या यह नियम 'वैध' है या नहीं, यह कैसे पता चलेगा?

› सबसे पहले देखेंगे कि क्या यह नियम बनाने की शक्ति सरकार के पास 'legally' है या नहीं। क्या 'constitution' या किसी 'act' में यह शक्ति दी गई है?

› फिर यह देखा जाएगा कि क्या इस नियम को बनाते समय सभी 'constitutional procedures' और 'due process' का पालन किया गया है? यानी, क्या इसे संसद में पारित किया गया है, या किसी 'executive order' के तहत आया है, और क्या उस 'order' को देने की शक्ति सही अधिकारी के पास थी?

› अगर ये सभी प्रक्रियाएं सही तरीके से पूरी हुई हैं, तो भले ही लोग इससे असहमत हों, यह नियम 'legally valid' माना जाएगा।

› अगर प्रक्रिया में कोई कमी है या सरकार के पास यह शक्ति नहीं है, तो 'courts' इसे 'invalid' घोषित कर सकते हैं।

उत्तर – नियम की वैधता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे बनाने की शक्ति सरकार के पास थी या नहीं, और क्या इसे

निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए बनाया गया है।

उदाहरण 4. मान लीजिए सरकार ने एक नई सड़क बनाने का फैसला किया। इस पर 'जवाबदेही' और 'नियंत्रण' कैसे लागू होगा?

› नागरिकों द्वारा जवाबदेही: लोग पूछेंगे कि सड़क क्यों ज़रूरी है, कहाँ बनेगी, कितना खर्च आएगा? 'Why this road? What is the cost?'

› नियमों द्वारा जवाबदेही: सरकार को 'tender' निकालने होंगे, 'environmental clearance' लेना होगा और सारे 'rules and regulations' फॉलो करने होंगे।

› संस्थाओं द्वारा नियंत्रण: 'Opposition parties' और 'media' इस फैसले की जांच करेंगे कि इसमें कोई भ्रष्टाचार तो नहीं है। अगर कोई 'scam' होता है, तो 'court' भी इसमें हस्तक्षेप कर सकती है।

› सरकार को इन सभी 'queries' का जवाब देना होगा और 'transparent' तरीके से काम करना होगा।

उत्तर – जवाबदेही और नियंत्रण के कारण, सरकार को नागरिकों, नियमों और अन्य संस्थाओं के प्रति उत्तरदायी होना पड़ेगा, जिससे सड़क निर्माण में पारदर्शिता आएगी और शक्ति का दुरुपयोग रुकेगा।

उदाहरण 5. मान लो एक राज्य सरकार ने नई नीति लागू की, लेकिन कुछ लोगों का आरोप है कि नीति उनके अधिकारों के खिलाफ है। लोकतंत्र में 'परस्पर भूमिका' के तहत कौन-कौन से संस्थागत तंत्र काम करेंगे ताकि संतुलन बना रहे?

› राज्य सरकार नीति बनाकर/लागू करके प्रशासनिक काम करेगी

› आवश्यक जवाबदेही के लिए रिकॉर्ड, नियमों का पालन और कारण बताने जैसी प्रक्रिया होगी

› नियंत्रण/जांच करने वाली व्यवस्था देखेगी कि निर्णय गलत तरीके से तो नहीं लिया गया

› अदालत जांचेगी कि नीति कानून/संविधान के अनुरूप है या नहीं, जरूरत पड़े तो राहत देगी

› जनता की भूमिका चुनाव/सार्वजनिक निगरानी के जरिए सरकार को जवाबदेह बनाए रखेगी

उत्तर – संतुलन बनेगा क्योंकि नीति लागू करने वाली संस्था जवाबदेह होगी; नियंत्रण/जांच करने वाले तंत्र प्रक्रिया देखेंगे; अदालत अधिकारों का पालन सुनिश्चित करेगी; और जनता/चुनाव जैसे तंत्र सरकार पर निरंतर प्रभाव व जवाबदेही बनाए रखेंगे।

उदाहरण 6. तुम्हारे मोहल्ले में कचरा रोज़ नहीं उठता, और गंदगी फैल रही है। नागरिक की भागीदारी किस तरह होगी ताकि संस्थाओं का कामकाज बेहतर हो? एक अधिकार और एक कर्तव्य का उदाहरण भी दो।

› सबसे पहले समस्या पहचानो: कचरा न उठने से कौन-कौन से नुकसान हो रहे हैं (बीमारी का खतरा, बदबू, गंदगी)।

› अपने अधिकार के हिसाब से कार्रवाई करो: साफ-सफाई/सेवाओं की अपेक्षा और शिकायत का अधिकार मानकर स्थानीय निकाय में लिखित/पंजीकृत शिकायत दो।

› अपना कर्तव्य निभाओ: नियमों के मुताबिक कूड़ा तय जगह पर डालो, सार्वजनिक जगह गंदा न करो, और झूठी अफवाह/उकसावे वाली बात से बचो।

› निगरानी भी करो: अगली तारीख/समय-सीमा पूछो, कार्रवाई की स्थिति नोट करो, जरूरत पड़े तो जनसुनवाई में शामिल होओ।

› इससे संस्था को जवाब देना पड़ेगा, और सेवा में सुधार की संभावना बढ़ेगी।

उत्तर – नागरिक की भागीदारी लिखित शिकायत, नियम के भीतर निगरानी और जनसुनवाई में भागीदारी से होगी। अधिकार का उदाहरण: साफ-सफाई/सेवा के लिए शिकायत का अधिकार। कर्तव्य का उदाहरण: कूड़ा सही जगह डालना और नियम पालन करना। इससे संस्थाओं की जवाबदेही बढ़ती है और कामकाज बेहतर हो सकता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• इस अध्याय से 'संस्थाओं के महत्व' पर सीधे प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं, इसलिए इसके उद्देश्य और कामकाज को ध्यान से समझें।

• NCERT में 'क्रमबद्ध चरण' लिखो–पहचान से निगिरानी तक पूरा फ्लो जरूर बनाओ।

• यह अवधारणा 'institutions' (संस्थाओं) के काम करने के मूलभूत सिद्धांतों को समझने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बोर्ड परीक्षा में 'कानून के शासन' और 'वैधता' के महत्व पर सीधे प्रश्न आ सकते हैं, इसलिए उदाहरणों के साथ इसे अच्छे से समझ लेना।

• यह सवाल बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! 'What is accountability?' और 'Why checks and balances are important in a democracy?' जैसे प्रश्न सीधे पूछे जाते हैं। उदाहरणों के साथ समझाना मत भूलना।

• उत्तर लिखते समय 2-3 संस्थाओं के नाम लेकर 'जवाबदेही/नियंत्रण/न्याय' से जोड़कर लिखो।

• उत्तर में 'अधिकार के साथ कर्तव्य' और 'जवाबदेही' लिखना जरूर–मार्क्स बढ़ते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› संस्थाएं = नियम + भूमिकाएं + जिम्मेदारियां; शासन व्यवस्थित करना, स्थायी नियम बनाना।

› - क्रम याद रखो: पहचानजानकारीविकल्पमूल्यांकननिर्णयलागूनिगरानी

› कानून/नियम निर्णयों को 'वैध', 'न्यायसंगत' बनाते हैं; 'अधिकार' व 'जवाबदेही' सुनिश्चित करते हैं।

› शक्ति के दुरुपयोग को रोकने के लिए नागरिकों, नियमों और संस्थाओं द्वारा सरकार पर जवाबदेही व नियंत्रण।

› - काम + जांच + न्याय + जनता = संतुलन

› अधिकार = आवाज, कर्तव्य = मर्यादा; भागीदारी से जवाबदेही बढ़ती है।